30/06/2021

QÛ •i€> ‹5ú#±M7K~2'6ðf7!S#ß

!S#ß#ôJ

2. ! !/Pˆ

| Pˆ ä ÊVF • | ô`P E | Z‘5õ • | ô`P E | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | ! !/Pˆ5_FÕ | gl # ‹Z²Z"5õl• .J) | <¼+•Pˆ7 ‹Z²Z"5õl•.J ) |
| ñ6ï.\|M7+? | | | ô`P E | ô`P E | ô`P E |
| (…"‡ ’ ‹> +ø Œ | | | ô`P E | | ô`P E |
| ( ) | | | | | |
| 7 6ï.\|M7+? | | | ô`P E | ô`P E | ô`P E |

3. !] ½hE" Pˆ ä

| Pˆ ä ÊVF • | ô`P E | Z‘5õ • | ô`P E | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | !] ½hE" Pˆ ä5_ FÕ | gl # ‹Z²Z"5õl• .J) | <¼+•Pˆ7 ‹Z²Z"5õl•.J ) |
| ñ6ï.\|M7+? | | | ô`P E | ô`P E | ô`P E |
| (…"‡ ’ ‹> +ø Œ | | | ô`P E | | ô`P E |

)

III. -ÙFcX3Pˆ7 [q"¼ZZ0¬

Pˆ ä7 :ñ ‹8 4ÁFcX3 ¡FkPˆ ä7 :ñYï"j Œ

| Pˆ ä7 :ñYï"jZZ | | | | | 7 6ï!N&Ç;KFcX3FkFc | 7 6ï.\|&Ç;K#ÖPäFcX3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 0¬ •"ì2ÓPˆ7XB` | | | | | X3 ¡5—Pˆ ä5_FÕ | FkFcX3 ¡5—Pˆ ä5_F( |
| " ) 6ê` `55Ì7 | | | 7 6ï!N[q"¼ | | | |
| (5Ì /6ï /.[ ) #±#ÖF( | | | | | | |
| X3Pˆ ähE" | 3o!á | X3 f | Z"bž | ) 5/ | | |
| 1. ô`P E | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| ( / / ) | | | | | | |
| Pˆ | | | | | | |
| *(Z" 1)* | | | | | | |
| 2. ô`P E | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| ( / / ) | | | | | | |
| 股 | | | | | | |
| *(Z" 1)* | | | | | | |
| 3. ô`P E | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| ( / / ) | | | | | | |
| 股 | | | | | | |
| *(Z" 1)* | | | | | | |
| | | | | N$5_A. (6U` Pˆ) | ô`P E | |
| | | | | (! !/Pˆ ) | ô`P E | |
| | | | | (!] ½hE" Pˆ ä ) | ô`P E | |
| 7 6ï!N&ÇX3 f7 :ñ2'/~\®a¸N$h4 (Z²Z"5õ\•.J ) | | | | ô`P E | | |

2fZåFcX3+î o ñ-éFkFcX3 ¡Pˆ äFk:ñ[0

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 7 6ï!N&Ç;K FcX3FkFcX3 7 6ï.\|&Ç;K#Ö ¡5—Pˆ ä5_ PäFcX3FkFcX | |
| :ñ[0Z‘5õ | | | 7 6ï!N-ÙX3 | | FÕ | ¡5—Pˆ ä5_FÕ |
| (" 7 5Ì 5Ì /6ï /.[ ) | gI #\•.J | ñ6ï.\|gI # | f | 7 6ï.\|gI # | | |

1. ô`PE

( / / )

Pˆ ä ÊVF ()i-Ù ñ-é )

#ÖFcX3Pˆ ähE"

*(Z" 1)*

Zt\ã à

Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì

7 ()i`PE )

(5Ì /6ï /.[ ) ( / / )

2. ô`P E

( / / )

:ñ[0Z‘5õ 7 6ï!N-ÙX3

(" 7 5Ì 5Ì /6ï /.[ ) gI #\•.J ñ6ï.|gI # f

#Ö3ÂPˆIO4Á ‹#Z#Ö_03Â@¡+î o ñ-éFkFcX3 ¡Pˆ ä Œ

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 7 6ï!N | |
| | | | | | &Ç;KFcX3Fl | 7 6ï.\|&Ç;K#Ö |
| | | | | | FcX3 ¡ | PäFcX3FkFcX |
| | | ñ6ï.\| | 7 6ï!N-Ù3ÂPˆ | 7 6ï.\| | 5—Pˆ ä5_FĆ | ¡5—Pˆ ä5_FĆ |
| hE" #±Z‘5õ | FcX3\•.J | -ÙFcX3N$h4 | ;%h4 | -ÙFcX3N$h4 | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 7 6ï!N | |
| | | | | | &Ç;KFcX3Fl | 7 6ï.\|&Ç;K#Ö |
| | | | | | FcX3 ¡ | PäFcX3FkFcX |
| | | ñ6ï.\| | 7 6ï!N-Ù3ÂPˆ | 7 6ï.\| | 5—Pˆ ä5_FĆ | ¡5—Pˆ ä5_FĈ |
| hE" #±Z‘5õ | FcX3\•.J | -ÙFcX3N$h4 | ;%h4 | -ÙFcX3N$h4 | | |
| 4. ô`P E | | | | | | |
| Pˆ ä ÊVF ()i-Ù ñ-é ) | | | | | | |
| #ÖFcX3Pˆ ähE" | | | | | | |
| *(Z" 1)* | | | | | | |
| Zt\ã à | | | | | | |
| Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì | | | | | | |
| 7 ()i`PE ) | | | | | | |
| (5Ì | | | | | | |

@¡FcX3+î o ñ-éFkFcX3Pˆ ä2'YéJ²Fk â <!] ½#;[W1ý+p3y •"ì2Ó7 :ñ ‹ - ô"ì2Ó8 4ÁPˆ ä7 :ñYï"jFcX3Fk7
:ñ Œ

| ZZ0¬ •"ì2ÓPˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì7 (5Ì /6ï /.[ )()i`PE )#±#ÖFcX3Pˆ ähE" | 7 6ï!N &Ç;KFcX3Fk FcX3 ¡5—Pˆ ä5_FÕ | 7 6ï.\| &Ç;K#ÖPäFcX3Fk FcX3 ¡5—Pˆ ä5_FÕ |
|---|---|---|
| 1. ô`PE | | |
| ( / / ) | | |
| Pˆ *(Z" 1)* | | |
| 2. ô`PE | | |
| ( / / ) | | |
| Pˆ *(Z" 1)* | | |
| 3. ô`PE | | |
| ( / / ) | | |
| Pˆ *(Z" 1)* | | |
| N$5_D. (6U` Pˆ) | ô`PE | |
| (! !/Pˆ ) | ô`PE | |
| (!] ½hE" Pˆ ä ) | ô`PE | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| FcX3hE" | | | | | | 7 6ï!N &Ç;KFcX3 FkFcX3 ¡ 5—Pˆ ä 5_FÕ | 7 6ï.\|&Ç;K #ÖPäFcX3 FkFcX3 ¡ 5—Pˆ ä 5_FÕ |
| 4. | LìPˆFcX3 | | | | #ÖFcX3Pˆ ähE" *(Z" 1)* ——— <br> FcX3#±a4Fc5Ì7 • (5Ì /6ï /.[ ) ( / / ) <br> Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì 7 • (5Ì /6ï /.[ ) ( / / ) | | ô`PE | ô`PE |
| 5. | ÌPˆ Ê0V | à8# • | Z²Z"5õ \•.J | ——— | #ÖFcX3Pˆ ähE" *(Z" 1)* ——— <br> FcX3#±a4Fc5Ì7 • (5Ì /6ï /.[ ) ( / / ) <br> Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì 7 • (5Ì /6ï /.[ ) ( / / ) | | ô`PE | ô`PE |
| 6. | \ã&ÅPˆ ä | | | | 2'\ã&ÅPˆ ähE" *(Z" 1)* ——— <br> Z"bž5Ì7 • (5Ì /6ï /.[ ) ( / / ) <br> Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì 7 • (5Ì /6ï /.[ ) ( / / ) | | ô`PE | ô`PE |

(iv) ;¶hE[0" ' #ë5 gl'.,SFß#ó ‹Z" 3 Œž

(v) ã!S#ß ‹=ìFË#±fÃgì8„5n Œ8„ r äYv+•_è$/!S#ßZ"!qV<V<e^+?:{Fk!O`Ï5n Ý-ÙMz;J.ö+?:{ •Oó ç!î!] ½<¼ /rYv+• •-Ù!O`Ï`\X3 ž

(vi) H¡+Í2'6ð:ñ5n Ý2ðANFcX38„;%FkYv+•Mz-ÙFơŒå;J>} €Fc_è/;J' >} € +î5Õî¿Y.ìÍ

3. *' ;K åFß#ó æ2î •*

- *[0" FkgI #Fß#ó •gïNZ1ýNZ]šFkPˆ;% •Fß#ó ž*
- *[0" 6ð:ñgÿ#½#ó ç7 ez!N2ð#ó ç0VCnYïK~FkPˆ0Ø" 0V • ò; =%0V6);¶%• 41°CY=%FcFkPˆ0V /" 0Vh4 •+s!OFß#ó ‹N$h4#±=Ïh4 Œ ž#±*
- *[0" f+6ðFß#ó:ñF± •)i ô#¾f7" Fk _0[z Ú!á. 6ê[W#±5£6ê ñ2|IO • ' 2'6ð!] ½5 gI '6ð #óK0:ñF± Û*

4. *)iJa 4 ô5^1°E •Z²f+"‡2î+•FkNsgè Û*